

३, 2. H. an. 2, 541. MED. v. 30. RATNAM. 32. SUÇR. 4, 137, 9. 140, 5. 143, 22. 163, 20. VARĀH. BRH. S. 34, 87. °वन und °वणा P. 8, 4, 6, Sch. — Vgl. मूर्वा मूर्वामय adj. f. ई aus MŪRVĀ verfertigt KULL. zu M. 2, 42 (मूर्वा° gdr.). मूर्विका f. = मूर्वा H. an. 3, 169. MED. f. 33.

मूल, मूलति *feststehen, wurzeln* (प्रतिष्ठायाम्) DhĀTUP. 13, 22. nach Vop. auch med. — caus. मूर्लपति *pflanzen* DhĀTUP. 32, 63. auch *wachsen* DURGĀD. im ÇKDR.

— उद् (denom. von उन्मूल) *entwurzelt werden*: मकानुमा उन्मूलति SHADV. Br. in Ind. St. 1, 41. उन्मूल्य s. u. d. W. und vgl. noch कति नोन्मूलितास्तुङ्गा भूभतः (Fürsten und Berge) कटकोत्सवाः Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 23, Çl. 8. HALĀJ. 4, 27. मलववातिन्मूलिता-पाण्डुपत्नैरुपवनसहकारैः abgerissen VIKR. 23.

— समुन्मूल्य s. u. उन्मूल्य mit सम् und vgl. noch समुन्मूलयितुं वृत्तान् Spr. 2142. वीरानको समुन्मूल्य *vernichten* RĀGA-TAR. 3, 214.

— निर्मूल्य s. u. d. W.

मूल (मूलं UNĀDIS. 4, 108) m. n. gaṇa मूर्धचादि zu P. 2, 4, 31. SIDDH. K. 230, a, 8. MED. l. 43. Am Ende eines adj. comp. f. म्ना (in übertragener Bedeutung, wie es scheint, stets म्ना) und ई P. 4, 1, 64. Vop. 4, 15. Am Ende eines adv. comp. °मूलम् P. 6, 2, 121. 1) n. *Wurzel eig.* (AK. 2, 4, 1, 12. 3, 4, 16, 202. H. 1121. an. 2, 506. fg. MED. l. 43. HALĀJ. 2, 28. 3, 23) und übertragen, *Grundlage* (= परिग्रह AK. 3, 4, 31, 239), *Ausgangspunkt, Anfang* (AK. 3, 4, 26, 202. MED. H. an., wo पार्श्वयोर्ह्रौः zu lesen ist). त्रेधा मूलं यातुधानस्य वृश्च RV. 10, 87, 10. AV. 6, 13, 3. 14, 2. 7, 74, 1. 19, 32, 3. शोधय्यास्ते मूलं मा हिंसियम् VS. 1, 25. 22, 28. ÇAT. Br. 1, 2, 5, 8. 14, 6, 9, 33. KĀTJ. ÇR. 7, 1, 19. 2, 6, 9. 46. पाटमनः ÇAT. Br. 8, 3, 1, 13. मूलं वा एतद्यज्ञस्य यत्तूष्णींशतः AIT. Br. 2, 32. ÇAT. Br. 1, 4, 4, 9. fgg. शाक्त्या वा मूलम् *Ausgangspunkt* ĀÇV. ÇR. 12, 2. मूलपाल ÇĀKH. GRH. 4, 7. एक° ĀÇV. GRH. 1, 22, 21. म्याणि मूलानि मथ्यानि Gobh. 1, 8, 28. KAUC. 3. 11. 14. — रात्रौ च वृत्तमूलानि दूरतः परिवर्षयेत् M. 4, 73. 6, 26. 44. 11, 78. 128. MBH. 3, 2373. ÇĀK. 179. VIKR. 41. Spr. 2231. मूलं मनुजाधिपतिः प्रजातरोः VARĀH. BRH. S. 48, 1. 33, 13. 22. 76, 4. 9. वृत्ताग्रमध्यमूलेषु 86, 73. मूलमूलस्कन्धलिप्तानाम् 33, 7. मूलानि च फलानि च M. 3, 227. 82. 267. 4, 29. 247. 3, 10. 137. 6, 5. 15. 7, 131. 10, 87. MBH. 1, 5889. 3, 2307. 12, 4236. 4262. R. 1, 9, 31. KATHĀS. 9, 62. UTTARARĀMAK. 23, 9. BRAHMA-P. in LA. (II) 49, s. die *Wurzel von Arum campanulatum Roxb.* ÇABDAK. im ÇKDR. die *Wurzel vom langen Pfeffer* und von *Costus speciosus* oder *arabicus* RĀGAN. ebend. मूलं कर् *Wurzeln schlagen, festen Fuss fassen*: तालवत्कुरुते मूलं बालः शत्रुरुपेक्षितः Spr. 1022. (श्रीः) दाद्यातु कुरुते मूलम् 3087. यावन्न कृतमूलास्ते पाण्डव्याः MBH. 1, 7426. 2, 244. Spr. 3169. °निषेचन BHĀG. P. 4, 31, 14. 8, 9, 29. नोच्छिद्यादात्मनो मूलं परेषां चातितृप्तया । उच्छिद्यन्त्यात्मनो मूलमात्मानं तांश्च पीडयेत् ॥ M. 7, 139. कर्तुमूलानि कृत्तति Spr. 1329. 4739. R. 6, 39, 21. कण्टकस्य च भग्नस्य दत्तस्य चलितस्य च । म्रमात्स्यस्य च डुष्टस्य मूलाडुद्धरणं वरम् ॥ Spr. 386. मूलादेव हि कृतव्यो सो ऽनर्थः HARIV. 3213. मूलेष्वपि न तिष्ठति Spr. 3163. सर्वस्य तपसो मूलमाचारं जगुः परम् M. 1, 110. वेदो ऽखिलो धर्ममूलम् M. 2, 6, 11. धर्मस्य ब्राह्मणो मूलमयं राजन्य उच्यते 11, 83. किन्नं मूलमनर्दानाम् MBH. 1, 1615. डुःख° G122. 7876. धर्मं प्रुभं वाच्यशुभं राजमूलात् (राजमूलं adj. ed. Bomb. 30, 10) प्रवर्तते R. 3, 36, 19. हेनुमात्रं तु

रामो वै जयमूलं विभीषणाः 6, 93, 55. भार्या मूलं त्रिवर्गस्य भार्या मूलं तु संततेः (तरिष्यतः v. 1.) Spr. 230. 1933. विद्यातः संपदा मूलम् 2837. 4638. 3152. VARĀH. BRH. S. 78, 14. UTTARARĀMAK. 3, 3. संकल्पमूलः कामः *wurzelnd in, hervorgehend aus* M. 2, 3. ज्ञानमूलो क्रियाम् 4, 24. MBH. 1, 1607. 13, 5788. R. 2, 81, 6. Spr. 1293. 4261. 4981. 3132. MĀRK. P. 24, 22. DAÇAK. in BENF. Chr. 183, 12. SĀH. D. 3, 4. 24. मूलादारभ्य सर्वं प्राग्वत्तान्तं न्यवेदयत् *von Anfang an* PĀNKĀT. 49, 1. आ मूलाच्छ्रेतुमिच्छामि ÇĀK. 14, 19. KATHĀS. 22, 98. 23, 195. 27, 3. 32, 130. 68, 61. 71, 58. 228. मूलात् *von Grund aus* (Jmd kennen lernen) Schol. zu ÇĀK. 11, 16. ग्रामूलमीतितम् *bis auf den Grund, ganz genau* KATHĀS. 32, 83. तत्र मूलं मृग्यम् *das Ursprüngliche, Richtige* SIDDH. K. zu P. 1, 2, 6. — 2) n. überh. *dasjenige Ende eines Dinges, mit dem es an Etwas befestigt ist; Wurzel* (in uneigentlicher Bed.), *Fuss, Basis; der untere Theil* überh. (Gegens. अग्र): मूर्धजानाम् VARĀH. BRH. S. 68, 82. वेणी° 31, 40. दत्तस्य 79, 20 = BRH. 94, 1. दत्त° (s. bes.), दंष्ट्रा° VARĀH. BRH. S. 81, 23. सविषाणं भुजं मूले खड्गेन निरकृतम् MBH. 3, 15736. बाहोः VARĀH. BRH. S. 38, 26. बाहु° (s. auch bes.) Spr. 777. SĀH. D. 39, 11. दोर्मूल TRIK. 3, 3, 435. H. 389. मृदुष्ठ°, मृदुलि° M. 2, 59. JĀGĀN. 1, 19. RAGH. 7, 10. AK. 2, 7, 50. VARĀH. BRH. S. 68, 42. 49. 70, 13. 14. H. 840. हेनु° VS. PRĀT. 1, 83. AV. PRĀT. 1, 20. कपोल° so v. a. *Backenknochen* Spr. 3233. कर्ण° (s. auch bes.) AK. 2, 8, 2, 6. श्रोत्र° R. 1, 9, 38. पुच्छ° AK. 3, 4, 1, 6. BHĀG. P. 5, 23, 5. पत° (s. bes.). नामी° VARĀH. BRH. S. 30, 13. शैलस्य *Fuss eines Berges* HARIV. 3933. VARĀH. BRH. S. 34, 102. RĀGA-TAR. 2, 164. पपात (पपाता Schol.) मूलतः श्रीमान्मुपवी नन्दपर्वतः (der als Berg gedachte Fürst Nanda nach dem Schol.) KĀM. NĪTIS. 1, 4. प्रूल° RĀGA-TAR. 2, 85. वासपथेः MEGH. 77. म्यामतेरणा° VARĀH. BRH. S. 44, 16. 43, 64. 30, 8. 36, 25. 38, 53. KATHĀS. 71, 60. नेत्रमूलमेतम् SUÇR. 2, 234, 5. वीणायाः *das untere (dem Körper näher liegende) Ende* H. 291. beim Sonnenschirm *der an den Ueberzug stossende Theil* VARĀH. BRH. S. 73, 2. *der äusserste Rand*: घना घनमूलाः 30, 18. प्राचीमूले *am Rande des Horizonts im Osten* MEGH. 87. *Grund, Boden*: मूलं याति सरोजस्य KUALAJ. 76, a. यातः पातालमूलम् Spr. 2462. वर्धयतश्च कोषमूलम् R. 1, 7, 7. पञ्चबुद्धादिमूलाम् (?) ÇVETĀÇV. UP. 1, 5. — 3) n. *unmittelbare Nähe* TRIK. 3, 3, 404. H. an. MED. भवतावपि च त्रिपरं मम मूलमुपेक्ष्यः (so die ed. Bomb.: मूलम् = समीपम् Schol.) so v. a. zu mir R. 2, 64, 47. प्रवाहि — मूलं प्रुम्नान्प्रुम्नयोः MĀRK. P. 86, 6. Vgl. जगाम — पादमूलं मकामनः R. 1, 34, 6. — 4) n. *Grundtext, Quelle* im Gegens. zur *Glosse, Uebersetzung* u. s. w. MÜLLER, SL. 104. fg. SUÇR. 1, 14, 14. KATHĀS. 1, 10. — 5) n. *Kapital* MED. Spr. 3844. — 6) n. *Hauptplatz, Hauptstadt*: कृत्वा विधानं मूले (= स्वीयडर्गारुष्ट्रये KULL. तु यात्रिकं च यथाविधि M. 7, 184. स गुप्तमूलप्रत्यतः शुद्धपार्श्वर्यान्वितः । पड्विधं बलमादाय प्रतस्थे दिग्जगोषया ॥ RAGH. 4, 26. मूलाभिरुक्ता VARĀH. BRH. S. 93, 61. पार्श्वमूलम् MBH. 2, 192. NILAK. erklärt: पार्श्वग्राहकं म्यादिर्यस्य तत् हादशविधं मण्डलम् — 7) n. *Quadratwurzel* COLEBR. Alg. 363. SŪRJAS. 2, 41. 3, 8. 33. 4, 20. 3, 6. 10, 8. — 8) m. n. *das Sternbild Mūla, das 17te (19te) Nakatra* AK. 3, 4, 26, 202. H. 113. H. an. COLEBR. Misc. Ess. II, 340. WEBER, GĀOT. 93. Nax. 1, 310. 2, 300. 303. 374. 389. AV. 19, 7, 3. TBR. 3, 1, 2, 3 in Z. f. d. K. d. M. 7, 271. JĀGĀN. 1, 80. MBH. 13, 3275. 4264. R. 5, 73, 57. P. 4, 3, 23. SUÇR. 1, 406, 7. SŪRJAS. 8.